हमको लगभग 5 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त मुनाफा होने वाला है। मैं एक पंक्ति पढ़ना चाहता हूँ, जो बड़ी रोचक है कि अगर वह बढ़ा देंगे तो उसका क्या फायदा होगा। इन्होंने कहा है कि अगर हम एक टन बढ़ाएंगे, तो हमें एक करोड़ से अधिक फायदा होगा। उपसभाध्यक्ष जी, मैंने उसको थोड़ा जानने की कोशिश की। एक मिलियन में जब हम टन ले जाते हैं, 10 लाख टन, तो 55 करोड़ का फायदा होता है और अगर आप एक एक्स्ट्रा लोड करते हैं, तो वह 10 बिलियन टन हो जाता है। यह तो सीधा है, फायदा तो होगा, लेकिन इसकी कीमत क्या होगी? इसके बारे में कभी तो चर्चा करने की आवश्कता है।

उपसभाध्यक्ष जी, रेलवे में फ्रेट मूवमेंट और सेफ्टी के बीच हमेशा द्वंद्व चलता है। The freight people will say, "Increase the traffic. Increase the load." The safety people will say, "Don't do it. It will have long-term implications. "यह चलता रहता है। 30 साल से यह माँग थी, मैंने जानने की कोशिश की, कि टनेज़ को बढ़ा दिया जाए। सेफ्टी को उस पर आपत्ति थी। शायद पिछले मई में कमिश्नर फॉर सेफ्टी ने भी आपत्ति की कि नहीं करना चाहिए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI DINESH TRIVEDI): Mr. Prasad, if I can request you to yield for just half-a-minute, hon. Finance Minister would lay the Supplementary Demands for Grants (General) 2005-06.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (GENERAL), 2005-2006

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): Sir, I lay on the Table a statement (in English and Hindi-showing the Supplementary Demands for Grants (General) for the year 2005-2006 (March 2006).

GENERAL DISCUSSION ON BUDGET (RAILWAYS), 2006-2007—*Contd.*

श्री रवि शंकर प्रसाद: सर, मैं बता रहा था कि 30 वर्षों में टनेज का एक्स्ट्रा देने के लिए आपत्तियां थीं। 30 साल से टनेज को आगे नहीं बढ़ाया गया। कमीश्नर, सेफ्टी को भी आपत्ति थीं मैंने जानकारी की है पिछले मई में रेलवे सेफ्टी कमीश्नर ने आपत्ति की थीं अब 30 साल के बाद आपने बढ़ा लिया। अच्छा है, आपको शायद क्षणिक लाभ तो मिलने की एक मृग-मारीचिका दिखाई पड़ती है, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम क्या होंगे, यह एक बड़ा सवाल हैं इसका असर ट्रेक के उपर पड़ेगा, ट्रेक में फटीक आएगा और जो रेलवे सेफ्टी फंड से ट्रेक को अधिक इम्प्रूव करने की कोशिश की गई, तो उस पर असर पड़ेगा। मुझको खुशी होगी, अगर माननीय रेल मंत्री जी इस दिशा में हम लोगों की शंकाओं का निराकरण करेंगे। क्योंकि यह एक बहुत ही गंभीर विषय है, शायद ऐसा न हो कि यह दो, तीन, चार साल बाद हमारे दीपांकर बाबू रेल मंत्री बनेंगे तो उन्हें लगेगा कि कोई ट्रेक में दम ही नहीं बचा है, इसलिए थोड़ा सा दूरगामी विषयों को भी देखना चाहिए। ऐसा मुझे लगता हैं।

श्री दीपांकर मुखर्जी (पश्चिमी बंगाल): रेलवे मिनिस्टरी में खाली रेल मंत्री नहीं होते, इंजीनियर्स होते हैं, प्रोफेशनल्स होते हैं, दूसरे होते हैं। ....(**व्यवधान**)... We are not talking about only the Minister, but the Railway Minister, as a whole.